Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D–6207

PAPER–III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and give answers of questions no 1 to 5 given below in 30 words :

Ideologies are formed and reformed through history; new elements are borrowed and old ones transformed or discarded. Ideologies reflect an already constituted reality but they also help to shape reality. ***A religious ideology is not autonomous of the socio-political and economic context in which it operates.*** It does express and advance certain interests and is used to legitimate power structures and a particular order of society. But it is not possible to understand an ideology from an analysis of the mode of production or economic facts or even from the class position of those who hold it. ***Ideas can become social forces in their own right.*** Religious ideologies inform social practices and can have a 'practical' impact on society. ***They organize men and women into action.*** Religious ideologies, as discussed above, draw groups together and cement alliances. But they can also divide society. Religious ideologies are thus both the medium in which collective social solidarities are constructed and the means through which conflicts and differences are pursued.

निम्नांकित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए :

विचार धाराओं का निर्माण और पुनर्निर्माण इतिहास के माध्यम से होता है, नये विचार उधार लिए जाते हैं, और पुराने बदल दिये जाते हैं या छोड़ दिये जाते हैं। अभिमत निर्धारित सत्ता को दर्शाते हैं, किन्तु सत्ता को रूप देने में भी मदद करते हैं। धार्मिक अभिमत सामाजिक-राजनैतिक एवं आर्थिक सन्दर्भ, जिसमें कि वह कार्यशील रहता है, से सर्वथा स्वतन्त्र नहीं रहता है। यह कुछ स्वार्थों को व्यक्त करता है और उन्हें बढ़ावा देता है, साथ ही उसका उपयोग शक्ति ढ़ाँचों को और समाज की एक विशेष व्यवस्था को उचित ठहराता है। लेकिन उत्पादन की प्रक्रिया या आर्थिक तथ्यों या यहाँ तक कि उन व्यक्तियों की वर्गपरक स्थिति के विश्लेषण के माध्यम से किसी विचारधारा को समझना सम्भव नहीं है। विचार अपने आप में सामाजिक शक्ति बन सकते हैं। धार्मिक विचारधारा सामाजिक व्यवहारों की सूचना देते हैं और समाज पर व्यावहारिक प्रभाव डालते हैं। वे पुरुषों एवं स्त्रियों को कार्य में संगठित करते हैं। धार्मिक विचारधाराओं, जैसा कि ऊपर विवेचित है, मनुष्यों के अलग-अलग वर्गों को एक साथ जोड़ते हैं और उनके सम्बन्धों को मजबूत करते हैं, लेकिन वे समाज को बाँट भी सकते हैं। इस प्रकार धार्मिक विचारधाराएं ऐसी माध्यम हैं, जिनसे सामूहिक सामाजिक एकता स्थापित की जाती है और ऐसे साधन हैं, जिनकें द्वारा टकराव व विभिन्नताएं अनुसंचालित की जाती हैं।

1. How are the ideologies formed and reformed ? Discuss.
विचारधाराएं किस प्रकार निर्मित और पुनर्निर्मित की जाती हैं? विवेचन कीजिए।

2. Is religious ideology autonomous of the socio-political and economic context ? Discuss.

क्या धार्मिक विचारधाराएं सामाजिक-राजनैतिक एवं आर्थिक सन्दर्भों से स्वतन्त्र रहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. Can an ideology we understood are surmised from the mode of production or economic facts or even the class position of those who hold it ? Elaborate.

क्या कोई विचारधारा उत्पादन की प्रक्रिया या आर्थिक तथ्यों या यहाँ तक कि उनकी वर्गस्थिति के आधार पर समझा या अनुमानित की जा सकती है? निर्णय कीजिए।

4. What is the practical impact of the religious ideology ? Explain.

धार्मिक विचारधाराओं का व्यावहारिक प्रभाव क्या है? व्यक्त कीजिए।

5. State the twin impacts of religious ideologies which are normally recognized by the people.

धार्मिक विचारधाराओं के जुड़वे प्रभाव जो जनता के द्वारा स्वीकृत हैं, बताइये।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Is religion essential to human life ? Discuss.

क्या मानव जीवन के लिए धर्म आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।

7. Is religion anti-secularism ? Discuss.
क्या धर्म पन्थनिरपेक्षता (सेक्युलरिज्म) के विरुद्ध है? स्पष्ट कीजिए।

8. Write a note on major Hindu sects.
प्रमुख हिन्दू सम्प्रदायों पर टिप्पणी लिखिए।

9. Write a short note on Theism of the Bhagvadgītā.
भगवद्गीता के ईश्वरवाद पर संक्षेप में लिखिए।

10. What do you know about Tirthankara Parshvanath ?
तीर्थंकर पार्श्वनाथ के विषय में आप क्या जानते हैं?

11. What is the meaning of 'Ahimsa' in Jainism ?
जैनधर्म में 'अहिंसा' का अर्थ क्या है?

12. When and how was the Pāli Tipiṭaka first compiled ? Discuss.
कब और कैसे पालि तिपिटक का संकलन पहली बार हुआ? विवेचन कीजिये।

13. Write a note on the ancient Buddhist Art.
प्राचीन बौद्ध कला पर एक टिप्पणी लिखिये।

14. Explain the contents of "Our Father" the prayer Jesus taught his disciples.
ईसा मसीह द्वारा अपने शिष्यों को दी गयी 'हमारे पिता' नामक प्रार्थना की विषयवस्तु स्पष्ट कीजिए।

15. Discuss the role of Virgin Mary in Christian spirituality.
ईसाई धर्म की आध्यात्मिकता में 'कन्या मेरी' की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

16. Explain the meaning of 'la ilāha illa-l-lah'.
'ला इलाहा इल्लल्लाह' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

17. Describe the important aspects of treaty at Hudaybiyah.
हुदैबीया संधि के महत्व स्वरूप का वर्णन कीजिए।

18. Name and explain one of the main banis of Guru Nanak.
गुरु नानक देव जी की एक मुख्य वाणी का नाम देकर व्याख्या कीजिए।

19. Explain the term Ardas in Sikhism.

सिक्ख धर्म में अरदाज की व्याख्या कीजिए।

20. What are the common features of the Tribal Religions ? Discuss.

आदिवासी धर्मों के सामान्य (साँझा) लक्षण कौन-कौन से हैं? विवेचन कीजिये।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUISM

हिन्दूधर्म

21. Discuss the nature and significance of Sacrifice with special reference to the Yajurveda.
यजुर्वेद के विशेष सन्दर्भ में यज्ञ के स्वरूप एवं महत्व का विवेचन कीजिए।

22. Discuss the basic philosophical doctrines of Upaniṣads.
उपनिषदों में निहित मूलभूत दार्शनिक सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।

23. The word 'OM' stands for the Ultimate Reality in Vedic scriptures, highlight the meaning and significance of 'OM'.
वैदिक ग्रन्थों में 'ओउम्' पद परम सत्ता का सूचक है, इसके अर्थ एवं वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

24. Explain the place of women during the period of Rāmāyaṇa.
रामायणकालीन 'नारी का स्थान' पर प्रकाश डालिए।

25. Discuss the medieval bhakti movement and its contribution towards the reformation of society.
मध्यकालीन भक्ति एवं समाजसुधारात्मक आन्दोलन पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

JAINISM

जैन धर्म

21. Discuss in brief the ṣramana culture according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार श्रमणसंस्कृति को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

22. Throw light on the life of the Tirthankar Mahavira.
तीर्थंकर महावीर के जीवन पर प्रकाश डालिए।

23. Give an account of the works of Ācārya Kundakunda.
आचार्य कुन्दकुन्द के ग्रन्थों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

24. Write an essay on seven fundamentals of Jainism.
जैनधर्म के सात पदार्थों पर एक निबन्ध लिखिए।

25. Describe the importance of Delavada Jain Temples.
देलवाड़ा जैन मंदिरों के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

BUDDHISM

बौद्ध धर्म

21. Discuss the commonly accepted theories regarding the origin of Buddhism.
बौद्ध धर्म के उद्‌भव के विषय में सामान्य रूप में स्वीकृत सिद्धान्तों का विवेचन कीजिये।

22. Write a note on the origin of the Theravāda and the Mahāsāṅghika sects of Buddhism.

बौद्ध धर्म के थेरवाद और महासांघिक संप्रदायों के उद्‌भव पर एक निबन्ध लिखिये।

23. No-soul Doctrine of Buddhism is a unique feature of Buddhism. Discuss.

अनात्मवाद बौद्धधर्म का एक विशिष्ट लक्षण है। विवेचन कीजिये।

24. The Chinese Buddhist Scripture is the basis of the Buddhism which is professed in Korea, Japan and North Vietnam.

चीनी बौद्ध आगम उस बौद्ध धर्म का आधार है जो कोरिया, जापान और उत्तरी वियतनाम में माना जाता है।

25. Discuss the contributions of Rahul Sankrityayan Anand Kausalyayan and Jagadisa Kassap towards popularizing Buddhism in present day India.

आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म को प्रचलित करने में राहुल सांकृत्यायन, आनन्द कौसल्यायन और जगदीश कस्सप के योगदान का विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

CHRISTIANITY

ईसाई धर्म

21. Explain the contents of the "Sermon on the Mount" of Jesus Christ.

ईसा मसीह के 'गिरि उपदेश' (सरमन आन द माउन्ट) की विषयवस्तु को स्पष्ट कीजिए।

22. "Love of God and Love of Neighbour"- This is the supreme commandment of Christianity. Explain.

'भगवान को प्यार और पड़ौसी को प्यार' यह ईसाई धर्म का परम अनुशासन है।' – इसकी व्याख्या कीजिए।

23. "Jesus Christ is the son of God"- Explain.
'ईसा मसीह भगवान के पुत्र हैं' - व्याख्या कीजिए।

24. Explain the main sources of Spirituality in Christianity.
ईसाई धर्म की आध्यात्मिकता के प्रमुख स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

25. Discuss the advent of Christianity in India.
भारत में ईसाई धर्म के प्रवेश की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

ISLAM

इस्लाम धर्म

21. Write an essay on the life of the Prophet Muhammad at Makkah.
पैग़म्बर मुहम्मद (स.) की मक्की जीवनी पर एक निबन्ध लिखिए।

22. Describe salient features of Islamic community at Madinah during the life time of Prophet Muhammad.
पैग़म्बर मुहम्मद (स.) के जीवन समय में मदीना में इस्लामी समुदाय के मुख्य लक्षण का वर्णन कीजिए।

23. Discuss economic life and trade activities under the Abbasids.
अब्बासी काल में आर्थिक जीवन और व्यापारी गतिविधियों का विवेचन कीजिए।

24. Write a note on the origin and development of Sufism.
सूफीमत के आरंभ और विकास पर एक नोट लिखिए।

25. How did Aligarh movement try to reform the Muslim society ? Discuss.
कैसे अलीगढ़ आदोंलन ने मुस्लिम समाज के सुधार के लिये प्रयास किया? स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - VI

विकल्प – VI

SIKHISM

सिख धर्म

21. Discuss the concept of ṣabd Guru according to Guru Nanak.
गुरु नानक देवजी के अनुसार शब्द गुरु की अवधारणा का विवेचन कीजिए।

22. Write a brief note on the main Janamsakhi of Guru Nanak.
गुरु नानक देवजी के बारे में मुख्य जन्म साखिओं पर संक्षेप टिप्पणी लिखिए।

23. Write a note on the editing of Dasam Granth.
दशम ग्रंथ के संपादन पर टिप्पणी लिखिए।

24. Discuss the contribution of Banda Singh Bahadur to the Sikh History.
बंदा सिंह बहादुर की सिख इतिहास में भूमिका का विवेचन कीजिए।

25. Give an account of the Kuka Movement.
कूका लहर का वर्णन कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Describe the nature of Vedic society.

वैदिक समाज के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on Anekantavāda (Non-Absolutism) according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार अनेकान्तवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the Pañca-sīla (five Precepts).

पंच-सील (पाँच शिक्षापद) पर एक निबन्ध लिखिये।

OR / अथवा

Write an Essay on the Apostles of Christ and their activities for the growth of the Church.

ईसाई चर्च के विकास में ईसा के शिष्यों और उनके कार्यों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Examine the Quranic views on ethics and human relations.

आचार और मानव-सम्बन्ध पर कुरान के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the challenges of modernity to the Sikhism.

सिक्ख धर्म को आधुनिकता की चेतावनी का विवेचन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....